सजावटी मत्स्य पालन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (Indian Council of Agricultural Research- ICAR) के तहत **राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो** (National Bureau of Fish Genetic Resources- NBFGR) **सजावटी मत्स्य पालन हेतु लक्षद्वीपवासियों को गहन प्रशिक्षण प्रदान** करने के लिये तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है।

सजावटी मत्स्य पालन:

- सजावटी मत्स्य पालन का आशय एक **छोटे जलीय वातावरण** में विभिन्न प्रकार की विशेषताओं वाली **रंगीन, आकर्षक मछली पालन की कला से है।**
- इसका उत्पादन मुख्य रूप से कृषकों एवं इसको पसंद करने वाले लोगों द्वारा किया जाता है और इन मछलियों को **सजीव गहने (Living jewels)** के रूप में भी जाना जाता है।

पहल:

- **परिचय:**
  - **सामुदायिक जलीय कृषि के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से** एक प्रायोगिक पहल के माध्यम से 77 महिलाओं सहित कुल 82 द्वीपवासियों को प्रशिक्षण दिया गया।
  - NBFGR ने क्षमता निर्माण के लिये समर्थन और आपूर्ति की सुविधा प्रदान की,**जिसमें कल्चर उपकरण और झींगा/क्लाउनफिश बीज शामिल हैं।**
  - **चार सामुदायिक जलीय कृषि इकाइयाँ** स्थापित की गईं, जिनमें 46 महिलाएँ शामिल थीं और इन्होंने सफलतापूर्वक **सजावटी झींगे के व्यापार को विपणन योग्य** बना दिया है।
  - अगत्ती द्वीप पर NBFGR समुद्री सजावटी जीवों की सुरक्षा के लिये और द्वीपवासियों हेतु आय के स्रोत के रूप में **जर्मप्लाज़्म संसाधन केंद्र का प्रबंधन** भी करता है।
- **महत्त्व:**
  - द्वीप पर **सीमित संसाधन**, ज़्यादातर **नारियल और टूना मछली** के रूप में इसे महत्त्वपूर्ण बनाते हैं।
  - **मानसून के मौसम के दौरान मछली पकड़ना प्रायः रुक जाता है,** जिससे एक प्रमुख आर्थिक गतिविधि बंद हो जाती है।
    - हालाँकि द्वीपों के अर्थव्यवस्था चक्र को बनाए रखने के लिये सजावटी मत्स्य पालन की उम्मीद है।

ICAR-NBFGR क्या है?

- राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources) की स्थापना दिसंबर 1983 में इलाहाबाद में हुई थी।
  - इसका कार्यालय वर्तमान में लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत में स्थित है।
- यह **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (Indian Council of Agricultural Research- ICAR)** के तत्त्वावधान में स्थापित किया गया था।
- **इसका उद्देश्य देश के मत्स्य जननद्रव्य संसाधनों के संरक्षण से संबंधित अनुसंधान करना है।**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ornamental-fish-aquaculture